

ये धारा है। अतः इसका अर्थ  
पञ्जावली आदेश... को पेश हो।

11/02/22 पञ्जावली काज पेश हुई। वकील वादी उक्त  
वकील वादी ने विवेक किया कि वे कब  
कोर साइड कराना नहीं पाएंगे हैं। वादीगण  
का साइड का कवर बन किया जाएगा है।  
वकील वादीगण के बचत हुई गई।  
पञ्जावली व पञ्जावली पर उपलब्ध रेकॉर्ड, साइड  
व कवाच कांड लम्बे इलाक़ेगण का गैर  
के कवलेकन व कचपन किया गया।

कैसे है वादी का वाद यह प्रकाश  
है कि वादी ने यह वाद कलकत्ता चार  
80, 188 17 का क. एवं हिन्दू उल्लंघनकार के  
नी चार 6 के तहत प्रस्तुत कर विवेक किया,  
कि वादी व विवादी है। 1 का 5 की प्रश्नों  
क्या प्रति प्रचार के गणित के ताल के

पमि

अपखण्ड अधिकारी, गुडनालानी



राजल्ल ग्राम कलाकर के खिना ख.नं. 289/1  
 रकबा 0.6394 हेक्टर ख.नं. 290/2 रकबा  
 3.2213 हेक्टर की सम्पत्ति है उक्त शक्ति  
 प्रतिकाशी संख्या 01 के विरासत में प्राप्त हुई  
 है वादी व प्रतिकाशी सं. 2 प्रतिकाशी सं. 01  
 के पुत्र हैं तथा प्रतिकाशी सं. 375 प्रतिकाशी  
 संख्या 01 की पुत्रियां हैं वादी व प्रतिकाशी  
 सं. 275 प्रतिकाशी सं. 01 की विधवा  
 सल्लाह व विधवा वारिसात होने के उक्त  
 प्रतिकाशी संख्या 01 के जन्म के ही एक विधि  
 से हुए हैं तथा वादी संख्या 01 के एक  
 पुत्र के पुत्र पर कानून कायम है, शक्ति  
 प्रतिकाशी सं. 2 प्रतिकाशी सं. 01 के नाम  
 प्रतिकाशी सं. 01 है प्रतिकाशी सं. 01 के नाम  
 प्रतिकाशी सं. 275 के भी प्रतिकाशी सं.  
 01 के साथ सहकारिता से घोषित किया  
 जावे।

वादी का कास पर दस्त रखने  
 पर प्रतिकाशी सं. 01 के जन्म तत्काल  
 किया गया। प्रतिकाशी सं. 01 के पुत्रांक जन्म  
 के लंबे समय-2021 फोलेट्ट शक्ति  
 दिनांक 03/01/22 तक विना मत  
 गोलिका के तत्काल से प्रतिकाशी सं. 01 के  
 मजबूत वादी का कास पर स्वीकार  
 कर वादी व प्रतिकाशी सं. 2 के प्रतिकाशी  
 सं. 01 के साथ सहकारिता से घोषित किया  
 जावे भी सहकारिता से घोषित किया  
 हुआ 4 चांद, दीरे, समान प्रतिकाशी संख्या 01  
 के शपथ पर प्रतिकाशी सं. 01 के नाम

पुनी

